Amar Ujala 25-01-2026

# बोर्ड की 10वीं, 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं पर इस बार कड़ी नजर

**पहली बार 2,384 केंद्रों की मुख्यालय से ऑनलाइन की जाएगी मॉनीटरिंग**

**एसडीएम-शिक्षा विभाग और बोर्ड के दस्ते भी रखेंगे नकल पर नजर**

**नकल रोकने को गठित उड़नदस्तों पर नजर रखने को भी बनेगा उड़नदस्ता**

अमर उजाला ब्यूरो

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की मार्च माह में शुरू हो रही 10वीं व 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में इस बार नकल पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए कड़े और हाईटेक इंतजाम किए जाएंगे। पहली बार प्रदेशभर में बनाए गए 2,384 परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग सीधे बोर्ड मुख्यालय से की जाएगी। इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में विशेष स्क्रीनें स्थापित की जाएंगी, जिनके माध्यम से हर परीक्षा केंद्र की गतिविधियों पर रियल टाइम नजर रखी जाएगी।

नकल या अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सकें।

बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष बनाने के लिए इस बार पांच स्तर पर मॉनीटरिंग व्यवस्था लागू की गई है। इसमें उपमंडल स्तर पर उड़नदस्तों का गठन प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से किया जाएगा। शिक्षा विभाग के उड़नदस्ते भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। वहीं स्कूल शिक्षा बोर्ड के उड़नदस्ते भी नकल रोकने के लिए सक्रिय रहेंगे। वहीं इन सभी उड़नदस्तों पर नजर रखने के लिए बोर्ड अलग से विशेष उड़नदस्ते गठित करेगा। यह उड़नदस्ते न केवल परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उड़नदस्ते अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन कर रहे हैं या नहीं।

प्रेस वार्ता करते राजेश शर्मा। अमर उजाला

शिक्षा बोर्ड पहली बार प्रदेशभर में 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए बनाए गए 2,384 परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग बोर्ड मुख्यालय से करेगा। इसके लिए विशेष स्क्रीनों का प्रबंध किया जाएगा। इसके अलावा शिक्षा बोर्ड एक विशेष उड़नदस्ते का भी गठन करेगा, जो परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के साथ-साथ प्रशासनिक, शिक्षा विभाग और बोर्ड की ओर से गठित उड़नदस्तों की भी निगरानी करेगा। - **डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला**

## शिक्षक घर नहीं ले जा सकेंगे अब उत्तरपुस्तिकाएं : डॉ. राजेश

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं-12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शिक्षकों को मूल्यांकन केंद्रों पर ही करना होगा। उत्तरपुस्तिकाओं की चेकिंग के लिए शिक्षकों को केंद्र में खाली हाथ आना होगा और उन्हें खाली हाथ जाना होगा। मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जाएगी। यह बात हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस बार मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी सख्ती और पारदर्शिता से करवाया जाएगा। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान गलत मार्किंग से परीक्षार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है, इसलिए ऐसी लापरवाही करने वाले शिक्षकों पर भी बोर्ड कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नकल से जुड़ी सूचनाओं के लिए बोर्ड की ओर से जल्द एक मोबाइल नंबर जारी किया जाएगा। यदि दसवीं कक्षा के किसी छात्र की मार्च में आयोजित परीक्षा में परफॉर्मेंस अच्छी नहीं रहती है, तो उसे जून में दोबारा परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा। जून की परीक्षा में प्राप्त अच्छे अंकों को मार्च की परीक्षा के अंकों में जोड़ दिया जाएगा। इससे छात्रों को अपनी परफॉर्मेंस सुधारने का मौका मिलेगा और उसका साल बर्बाद नहीं होगा। ब्यूरो

Dev Bhoomi Mirror 25-01-2026

# हिमाचल बोर्ड ने बदला परीक्षा पैटर्न, 3 मार्च से शुरू होंगी 10वीं-12वीं की परीक्षाएं : डॉ राजेश शर्मा

निशा/देवभूमि मिरर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने वार्षिक परीक्षा-2026 को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रेस वार्ता में 10वीं और 12वीं कक्षा की नियमित तथा राज्य मुक्त विद्यालय (HPSOS) की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी किया। परीक्षाएं 3 मार्च से एक साथ शुरू होंगी। इस बार बोर्ड ने न केवल समय पर परीक्षाएं कराने की तैयारी की है, बल्कि प्रश्नपत्रों के पैटर्न में भी अहम बदलाव किए हैं, जिससे छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि लंबे समय से प्रश्नपत्रों की अलग-अलग सीरीज (A, B, C) को लेकर छात्रों में असंतोष रहता था। किसी सीरीज को कठिन तो किसी को आसान माना जाता था। इस समस्या को खत्म करने के लिए बोर्ड ने निर्णय लिया है कि अब सभी सीरीज में प्रश्न समान होंगे, केवल प्रश्नों का क्रम बदला जाएगा। इससे परीक्षा में समानता आएगी और मेरिट सूची की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बोर्ड ने प्रश्नपत्रों को और आधुनिक बनाया है। इस बार कुल अंकों का 20 प्रतिशत हिस्सा बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) पर आधारित होगा, जिससे छात्र जेईई और नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकें। छात्रों की सुविधा के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर मॉडल प्रश्नपत्र और क्वेश्चन बैंक भी उपलब्ध कराए गए हैं बोर्ड ने इस वर्ष रिकॉर्ड समय में परिणाम घोषित करने की

योजना बनाई है। मूल्यांकन कार्य के लिए विशेष केंद्र बनाए जाएंगे और कोशिश रहेगी कि 30 अप्रैल 2026 तक परीक्षा परिणाम जारी कर दिए जाएं, ताकि छात्रों को कॉलेज दाखिले और काउंसलिंग में किसी तरह की परेशानी न हो। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी, जिसकी मॉनिटरिंग धर्मशाला मुख्यालय से की जाएगी। संवेदनशील केंद्रों पर विशेष फ्लाइंग स्क्वाड तैनात रहेंगे। यदि किसी केंद्र पर नकल या गड़बड़ी पाई गई तो परीक्षा रद्द होने के साथ-साथ जिम्मेदार स्टाफ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रैक्टिकल परीक्षाएं 20 से 28 फरवरी के बीच आयोजित होंगी। रोल नंबर और प्रवेश पत्र ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। छात्रों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने से कम से कम आधा घंटा पहले पहुंचना होगा। डॉ. राजेश शर्मा ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी मिलकर इस परीक्षा को सफल और नकल-मुक्त बनाएं, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो सके।